पिपराघाट के पास कमला तटबंध पर स्टील शीट पाइलिंग कार्य का लोकार्पण

'झंझारपुर का तेजी से हो रहा विकास'

झंझारपुर, निज प्रतिनिधि। जिला स्तर का टाउन बन रहा है झंझारपुर। इसकी सुरक्षा और संरक्षा भी उसी स्तर से जरूरी है। कमला तटबंध पर पिपराघाट के पास स्टील शीट पाइलिंग का बड़ा काम झंझारपुर टाउन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पूरा किया गया है। उक्त बातें जल संसाधन मंत्री संजय झा ने शनिवार को पिपराघाट के समीप कमला तटबंध पर स्टील शीट पाइलिंग के लोकार्पण के अवसर पर कही।

कहा बीते वर्ष कमला बांध का यह पॉइंट 49.5 किलोमीटर पर तटबंध टूटने के कगार पर था। विभागीय अभियंताओं ने काफी मेहनत कर इसे बचाया। अगर इस स्थल पर तटबंध टूटेगा तो झंझारपुर शहर में भारी तबाही मचेगी।

झंझारपुर शहर में मेडिकल कॉलेज के अलावा अन्य कई विकासात्मक कार्य हो रहे हैं। जिसे बाढ़ जैसे आपदा से पूर्णता सुरक्षित करने के लिए जल संसाधन विभाग ने इस स्थल पर 3:50 करोड़ की लागत से स्टील शीट पाइलिंग का काम किया है। पूरे बिहार में नदी के तट पर स्टील शीट पाइलिंग का काम झंझारपुर में ही किया गया है। इस कार्ड

पिपरा घाट के पास स्टील शीट पाइलिंग कार्य का निरीक्षण करते मंत्री व अन्य लोग।

40 फीट लंबा स्टील चदरा धंसाया बांध के बीचोबीच

■ नदी से गाद निकालने कार्य का किया निरीक्षण

में बांध के बीचों बीच 40 फीट लंबाई का मोटा स्टील चदरा धंसाया जाता है। 200 मीटर की दूरी में बांध पूर्णतः सुरक्षित रहेगा।

पिपराघाट में यह उस स्थल पर लगाया गया है जहां नदी का सीधा ठोकर तटबंध पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में कमला तटबंध के दोनों तरफ बन रही सड़क के फेज टू की भी शुरुआत होगी। इससे लोग कोसी से रसियारी कुशेश्वर तक सीधे जा सकेंगे। 40 किलोमीटर के लंबे इस सड़क के दोनों तटबंध की तरफ बनने से स्थानीय लोगों के रोजगार के भी काफी अवसर बढ़ेंगे। शहर से लेकर गांव बाढ़ जैसी विपदा से दूर हो जाएगा।

मंत्री ने बांध सुरक्षा और फ्लड फाइटिंग कार्य का भी निरीक्षण किया। इससे पूर्व वे झंझारपुर रेलवे जंक्शन के समीप कमला बलान तटबंद के 51 किलोमीटर के पास कमला बलान नदी पर निर्मित रेल पुल की फेंट सफाई और पुल के अपस्ट्रीम एवं डॉन स्ट्रीम में नदी तल से गाद सफाई कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि आरसीडी से बात चल रही है। पुराने उक्त नदी पुल को डेढ़ मीटर और ऊंचा किया जाना है। जिससे गाद भरने और पानी रुकने की समस्या भी खत्म हो जाएगी। बांध पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि जब वे मंत्री बने थे तो उसी वर्ष झंझारपुर में ही कमला टूटी थी। इसे हमने एक चुनौती के रूप में लेकर तटबंध को मजबूती देने का संकल्प लिया था। जिसका परिणाम है कि नरुआर, बनौर और रखवारी के बाद पिपराघाट में स्टील शीट पाइलिंग का कार्य हुआ। बांध को पूरी तरह मजबूती दी गई है।

मौके पर जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता, एससी प्रिय शंकर अप्पू, ईई अख्तर जमील के प्रमोद कुमार प्रभाकर, नारायण झा, अनूप कश्यप, नूनू मिश्रा, विनय कुमार झा, फुले भंडारी, सोहन झा शांडिल्य, अरुण कुमार मंडल, अमित मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।